सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 330 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 10 जनवरी, 2023
मूल्य ₹ 3/-

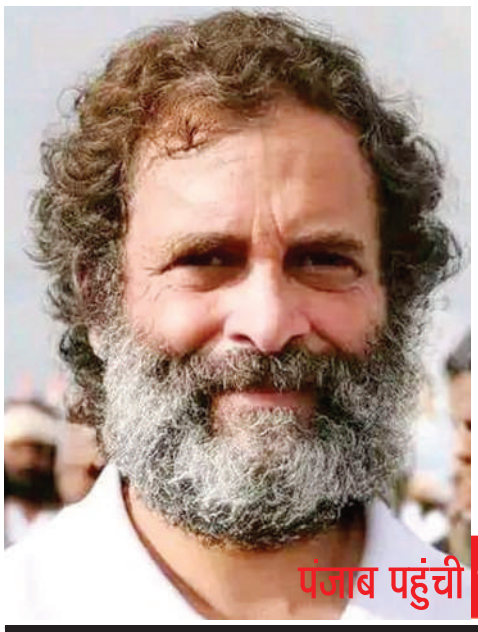

महान सपने देखने वालों के महान सपने हमेशा पूरे होते हैं।
– डॉ. अब्दुल कलाम

पंजाब पहुंची भारत जोड़ो यात्रा... 8 | राजस्थान में कांग्रेस को बदलनी होगी... 3 | घने कोहरे की चादर में लिपटा उत्तर... 7

दरारों से डरे लोगों को अब रुलाएगा बुलडोजर

डेंजर, बफर और सेफ जोन में बांटा गया जोशीमठ

» स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की याचिका पर तुरंत सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

» असुरक्षित 678 भवन किए गए हैं चिह्नित होटल मलार इन ढहाने पहुंची टीम

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चमोली। उत्तराखंड के जोशीमठ में दरारों से डरे लोगों पर सरकार बुलडोजर की कार्रवाई करेगी। आज एक होटल को गिराया जाएगा। यहां मकानों में दरारें आने के बाद एक्सपर्ट टीम ने यह फैसला लिया है। लग्जरी होटल मलारी इन और होटल माउंट व्यू में से पहले मलारी इन को गिराया जाएगा। दोनों 5-6 मंजिला होटल हैं। टीमें बुलडोजर लेकर मौके पर पहुंच गई हैं।

होटल गिराने का काम सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीबीआरआई) की निगरानी में होगा। एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर मौजूद है। इस मामले पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जेंट हियरिंग की अपील की थी। अदालत ने तुरंत सुनवाई से इनकार कर दिया है।

सर्वोच्च अदालत का तत्काल सुनवाई से इनकार

सुप्रीम कोर्ट ने जोशी मठ पर दायर की गई स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है। कोर्ट 16 जनवरी को इस मामले की सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- लोकतंत्र के जरिए चुने गए संस्थान है, जो इस मामले को देख रहे हैं। हर मामला हमारे पास लाना जरूरी नहीं।

सरकार ने तीन जोन में बांटा

राज्य सरकार ने जोशीमठ को तीन जोन में बांटने का फैसला किया है। ये जोन होंगे- डेंजर, बफर और सेफ जोन। डेंजर जोन में ऐसे मकान होंगे जो ज्यादा जर्जर हैं और रहने लायक नहीं हैं। ऐसे मकानों को मैन्युअली गिराया जाएगा, जबकि सेफ जोन में वैसे घर होंगे जिनमें हल्की दरारें हैं और जिसके टूटने की आशंका बेहद कम है। बफर जोन में वो मकान होंगे, जिनमें हल्की दरारें हैं, लेकिन दरारों के बढ़ने का खतरा है। विशेषज्ञों की एक टीम दरार वाले मकानों को गिराने की सिफारिश कर चुकी है।

नोटिस नहीं मिलने से दु:खी होटल मालिक

होटल मलारी इन के मालिक ठाकुर सिंह राणा ने कहा कि मुझे केंद्र और राज्य सरकार से बहुत तकलीफ है। ये होटल जनहित में तोड़ा जा रहा है कोई बात नहीं मैं प्रशासन के साथ हूं। बस मुझे नोटिस देना चाहिए और मेरा आर्थिक मूल्यांकन कर देना चाहिए, मैं यहां से चला जाऊंगा। मेरा आग्रह है आर्थिक मूल्यांकन किया जाए। दोनों उधर, व्यापार मंडल का भी कहना है कि पहले इन दोनों होटलों का मूल्यांकन होना चाहिए। उसके बाद ही होटल का ध्वस्तीकरण होना चाहिए। वहीं, होटल माउंट व्यू के मालिक सुंदरलाल सेमवाल का कहना है कि हमें हमारे होटल तोड़ने की कोई सूचना नहीं मिली है। यह हमारी आजीविका का साधन है। सरकार को हमारे लिए मुआवजे की व्यवस्था करनी चाहिए।

होटल मलारी इन गिराने पहुंची टीम

दो होटल मलारी इन और होटल माउंट व्यू गिराए जाएंगे। एसडीआरएफ के कमांडेंट मणिकांत मिश्रा ने कहा कि टीम ने आज होटल मालारी इन गिराने का फैसला किया है। सबसे पहले ऊपरी हिस्सा गिराया जाएगा। दोनों होटल एक-दूसरे के काफी करीब आ चुके हैं। इनके आसपास मकान हैं इसलिए इन्हें गिराना जरूरी है। होटल और ज्यादा धंसे तो गिर जाएंगे। एसडीआरएफ तैनात कर दी गई है। लाउडस्पीकर से लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने को कहा जा रहा है।

जोशीमठ में 678 भवन किए चिन्हित

जोशीमठ शहर में असुरक्षित भवनों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। अब तक कुल 678 भवन चिन्हित किए जा चुके हैं। सीबीआरआई की टीम ने सोमवार को मलारी इन और माउंट व्यू होटल का सर्वे किया था, जिनको आज गिराया जा रहा है और उनके ध्वस्तीकरण के लिए एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं।

कर्नाटक के गौरव को खत्म कर रही भाजपा : सिद्धारमैया

» 26 जनवरी की परेड में इस साल नहीं दिखेगी कर्नाटक की झांकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। इस साल गणतंत्र दिवस के मौके पर होने वाली परेड में कर्नाटक की झांकी नहीं दिखेगी। कर्नाटक सरकार ने खुद इसकी जानकारी दी। राज्य गणतंत्र दिवस की झांकी के नोडल अधिकारी सी आर नवीन ने एक बयान में बताया कि केंद्र सरकार के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए पिछले आठ वर्षों के दौरान कम से कम बार परेड में भाग लेने वाले राज्यों को अवसर प्रदान किया गया है।

दरअसल, गणतंत्र दिवस परेड में लगातार 13 वर्षों तक राज्य की संस्कृति का प्रदर्शन करने के बाद इस साल परेड से कर्नाटक की झांकी को बाहर किए जाने के बाद राज्य में विवाद पैदा हो गया है। विधानसभा में विपक्ष के नेता सिद्धारमैया ने राज्य के गौरव को बनाए रखने की गंभीरता पर सवाल उठाते हुए इस संबंध में राज्य की भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आगे कहा राज्य की भाजपा सरकार ने अपने आलाकमान के हितों को समायोजित करने के लिए हमारे गौरव का सौदा किया है। जिसके बाद सरकार की ओर से कर्नाटक राज्य गणतंत्र दिवस की झांकी के नोडल अधिकारी सी आर नवीन का बयान आया है। उन्होंने अपने बयान में बताया कर्नाटक ने इस वर्ष गणतंत्र दिवस परेड के दौरान एक झांकी के माध्यम से अपनी बाजरा विविधता प्रदर्शित करने का प्रस्ताव दिया था। राज्य की झांकी पारंपरिक हस्तशिल्प की पालना को पिछले साल दूसरी सर्वश्रेष्ठ झांकी घोषित किया गया था।

सरकारी संसाधनों को लूट रहे मंत्री

विधानसभा में विपक्ष के नेता सिद्धारमैया ने कहा कि यह जानना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस साल गणतंत्र दिवस परेड में कर्नाटक भाग नहीं लेगा। राज्य की झांकी को अस्वीकार करना दर्शाता है कि यहां की भाजपा सरकार हमारे राज्य के गौरव को बनाए रखने के लिए कितनी गंभीर है। उन्होंने आरोप लगाया कि कमजोर मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और उनके कैबिनेट मंत्री 40 प्रतिशत कमीशन के माध्यम से सरकारी संसाधनों को लूटने के बारे में चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि कर्नाटक के नेताओं को हमारे राज्य में केवल शोर मचाने के लिए जाना जाता है, लेकिन वे अपने आलाकमान के सामने कायर हैं। सिद्धारमैया ने सवाल किया कि हमारे राज्य की झांकी को अस्वीकार करने के लिए क्या भाजपा के किसी भी सांसद ने आपत्ति जताई है?

समुदाय विशेष को चरमपंथी की तरह पेश करने का प्रयास

» केरल के मंत्री पीए मोहम्मद रियास ने उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोझिकोड। केरल के मंत्री पीए मोहम्मद रियास ने दावा किया कि देश में एक समुदाय विशेष को चरमपंथियों के रूप में पेश करने का कथित रूप से प्रयास किया जा रहा है और इसपर ध्यान देने की जरूरत है। केरल में तीन से सात जनवरी तक आयोजित 61वें राज्य स्कूल युवा महोत्सव के उद्घाटन समारोह में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में कथित रूप से एक विशेष समुदाय को चरमपंथियों के रूप में दिखाये जाने की घटना के बाद मंत्री ने उक्त टिप्पणी की है, रियास ने कहा कि उस विशेष कार्यक्रम के प्रभारी का अगर संघ परिवार से कोई संबंध है तो उसकी जांच किए जाने की जरूरत है।

रियास ने पत्रकारों से कहा कि हमारे देश में विशेष समुदाय को चरमपंथियों के रूप में पेश करने का प्रयास किया जा रहा है, इस विशेष मामले में, संबंधित व्यक्ति के साथ संघ परिवार के कथित संबंधों की जांच की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि संदेह है कि ऐसी घटना युवा महोत्सव में अशांति फैलाने के लिए की जा रही है,उन्होंने कहा कि ऐसा संदेह है कि युवा महोत्सव के दौरान अशांति फैलाने के लिए ऐसा किया गया है। इसकी जांच की जानी चाहिए कि क्या यह लोगों को बांटने और कार्यक्रम की लोकप्रियता को गिराने का प्रयास तो नहीं है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग आते हैं। यह संगीत कार्यक्रम गत मंगलवार को राज्य स्कूल युवा महोत्सव में हुआ था।

मोदी बनाम केजरीवाल या राहुल से सीधे बीजेपी को होगा फायदा : ओवैसी

» बीजेपी को हराने के लिए विपक्ष को प्रत्येक लोस क्षेत्र में एकजुट होने की जरूरत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा कि बीजेपी को हराने के लिए विपक्ष को प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में एकजुट होने की जरूरत है। ओवैसी ने कहा कि विपक्ष को सभी 540 संसदीय क्षेत्रों के लिए कड़ी टक्कर देनी चाहिए। अगर विपक्ष का एक भी चेहरा भाजपा के खिलाफ लड़ता है, तो दूसरे को फायदा होगा।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ किसी खास चेहरे को खड़ा किया जाता है तो 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को विपक्षी ताकतों पर स्पष्ट बढ़त मिलेगी। एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा कि बीजेपी को हराने के लिए विपक्ष को प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में एकजुट होने की जरूरत है। ओवैसी ने कहा कि विपक्ष को सभी 540 संसदीय क्षेत्रों के लिए कड़ी टक्कर देनी चाहिए। अगर विपक्ष का एक भी चेहरा भाजपा के खिलाफ लड़ता है, तो दूसरे को फायदा होगा। अगर यह मोदी बनाम अरविंद केजरीवाल या राहुल गांधी है, तो पीएम को फायदा होगा। 2019 में विपक्ष ने मोदी सरकार को बेदखल करने के लिए एक महागठबंधन बनाया था। अब 2024 के लोकसभा चुनावों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, आप ने हाल ही में दावा किया कि 2024 की लड़ाई मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच होगी।

लोस चुनाव से पहले बसपा ने कसी कमर

» मायावती को हर हफ्ते देनी होगी रिपोर्ट, सिपाहसालारों को दिए गये निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव 2024 और नगर निकाय चुनाव को लेकर बीजेपी समेत विपक्षी पार्टियों ने तैयारी शुरू कर दी है। वहीं बीते दिनों बीएसपी प्रमुख मायावती ने लखनऊ में पार्टी की बैठक ली थी, अब मायावती ने अपने सिपहसालारों से रिपोर्ट लेने का फैसला किया है।

सिपहसालारों बीएसपी प्रमुख खुद रिपोर्ट लेंगी। बसपा प्रमुख ने चुनावी तैयारियों को तेज करने के लिए सिपहसालारों की रिपोर्ट लेने का फैसला किया है। मायावती के सिपहसालारों को अब हर हफ्ते रिपोर्ट बनानी होगी। जिसमें बताना होगा कि किसने कितना काम किया है और फिर ये रिपोर्ट बीएसपी चीफ खुद देखेंगे, मायावती ने पार्टी के पदाधिकारियों को सभी कोऑर्डिनेटर की समीक्षा के आदेश भी दिए हैं, जिसके जरिए उनको मिले कामों की गति और स्थानीय रिपोर्ट की जानकारी ली जा सके।

रिपोर्ट में इन बातों का होगा जिक्र

सिपहसालारों अपनी रिपोर्ट बनाते समय कई बातों का जिक्र करना होगा, उन्हें रिपोर्ट में एक सप्ताह में कितने सदस्य बनाएं, कितनी बैठक की और कितने युवाओं को जोड़ा इसकी पूरी रिपोर्ट देनी होगी। जिसके बाद पार्टी पदाधिकारी मायावती को इसकी सूचना देंगी, वहीं दूसरी ओर बीएसपी का प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद से ही विश्वनाथ पाल अलग-अलग जिलों के दौरे पर हैं। इस दौरान वे हर जिलों में जाकर स्थानीय नेताओं से जानकारी ले रहे हैं। इससे पहले बैठक के दौरान मायावती ने राजनीतिक हालातों पर यूपी और उत्तराखंड के वरिष्ठ पदाधिकारियों और जिला अध्यक्षों को एक्टिव रहने का निर्देश दिया था। इसके अलावा पार्टी के लिए अनुकूल माहौल बनाने के साथ ही बदले माहौल में जनाधार को जोड़ने के लिए गांव-गांव में जाने को कहा था। तब उन्होंने कहा था कि पार्टी के मूवमेंट को मजबूत बनाने के लिए नई रणनीति पर पूरे जी-जान से लग जाएं।

लद्दाख के नेता बोले, हम कश्मीर के साथ ही अच्छे थे

» सरकार की समिति से बाहर रहने का लिया फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लद्दाख के नेताओं ने केंद्र सरकार को बड़ा झटका देते हुए उनकी उच्चस्तरीय समिति से बाहर होने का फैसला किया है, इन नेताओं का कहना है कि केंद्र शासित प्रदेश बनाए जाने से पहले लद्दाख जम्मू-कश्मीर के साथ ही बेहतर था। लेह के शीर्ष निकाय के नेता और लद्दाख बौद्ध संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष चेरिंग दोरजे ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए, हमें लगता है कि जब हम जम्मू-कश्मीर का हिस्सा थे तब ही बेहतर थे, दोरजे ने आगे कहा कि वे (केंद्र) हमें मूर्ख बनाने की कोशिश कर रहे हैं, हम समझते हैं कि केंद्र हमारी राज्य की मांग और छठी अनुसूची के खिलाफ है।

उन्होंने कहा कि लद्दाख में एक साल से अधिक समय से लोग संविधान की छठी अनुसूची के तहत राज्य का दर्जा और विशेष दर्जे की मांग को लेकर आंदोलित हैं, लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर लंबे समय से जारी सैन्य गतिरोध के बीच यह कदम केंद्र सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती है। इन नेताओं का फैसला गृह मंत्रालय द्वारा क्षेत्र में असंतोष को समाप्त करने के लिए गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय की अध्यक्षता में एक समिति गठित करने के कुछ दिनों बाद लिया है।

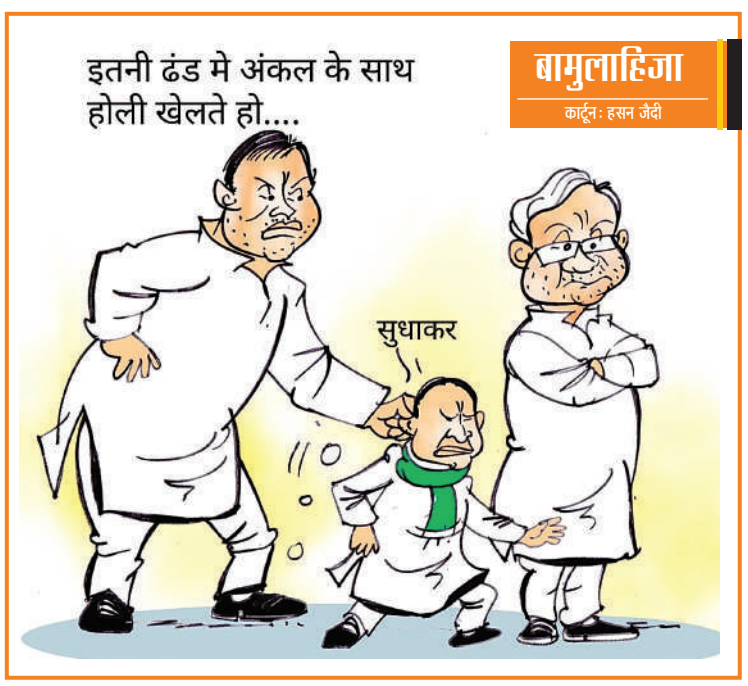

राजस्थान में कांग्रेस को बदलनी होगी रणनीति

भाजपा खेल सकती है धार्मिक कार्ड

» रूठों को मनाने और सबको संतुष्ट करने की चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राजस्थान। इस साल राजस्थान में विधानसभा चुनाव होने हैं। वहां वर्तमान में कांग्रेस की सरकार है। वह सत्ता को बरकार रखने के लिए कमर कस रही है। पर उसे अगर पुनः सत्ता पर काबिज होना है तो अपनी रणनीति में बदलाव करना होगा। ऐसा इसलिए भी उसके लिए जरूरी है क्योंकि राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी ने अपने सभी कील-कांटे दुरुस्त करने की तैयारी शुरू कर दी है। उधर कांग्रेस में आज भी बूथ से लेकर ग्राम इकाई, ब्लॉक इकाई व जिला संगठन में काम करने वाले अधिकांश पदाधिकारियों को सत्ता में कोई भागीदारी नहीं मिल पाई है। जो जमीनी स्तर पर काम करने वाले लोग हैं। कार्यक्रमों में दरिया बिछाते हैं। पार्टी के लिए मरने मारने पर उतारू रहते हैं। राजस्थान में अगले विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दलों ने अपनी चुनावी तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं।

प्रदेश में सत्तारुढ़ कांग्रेस पार्टी, मुख्य विपक्षी दल भाजपा, तिकोनी टक्कर बनाने में जुटी बसपा, आम आदमी पार्टी, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, असदुद्दीन ओवैसी की ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन, वामपंथी दल, भारतीय ट्राइबल पार्टी सभी अगले विधानसभा चुनाव में सत्तारुढ़ होने का सपना देख रहे हैं। कांग्रेस के नेता जहां फिर से सरकार रिपीट करवाने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं भाजपा सरकार बनाने की अपनी बारी का इंतजार कर रही है। अन्य राजनीतिक दल इन दोनों ही दलों को पटखनी देकर अगली सरकार बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाना चाहते हैं। राहुल गांधी की राजस्थान में 18 दिनों तक चली भारत जोड़ो पदयात्रा को मिले जन समर्थन से कांग्रेस गदगद नजर आ रही है। वहीं भाजपा गहलोत सरकार के खिलाफ प्रदेश में निकाली गई जनाक्रोश यात्राओं में ज्यादा भीड़ नहीं जुटा पाने से हताश नजर आ रही है। अन्य राजनीतिक दलों के नेता भी अपना प्रभाव बढ़ाने के प्रयास में लगे हुए हैं। सांसद असदुद्दीन ओवैसी भी राजस्थान के कई जिलों की यात्राएं कर जनमानस का मूड टटोल चुके हैं। बसपा भी अपने जर्जर संगठन को एक बार फिर नए सिरे से खड़ा करने का प्रयास कर रही है। आम आदमी पार्टी भी सभी 200 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने की घोषणा कर चुकी है। राहुल गांधी की पदयात्रा राजस्थान में आठ जिलों से होकर गुजरी थी। उस दौरान प्रायः सभी छोटे-बड़े नेताओं ने राहुल गांधी से मिलकर उन्हें अपने विचारों से अवगत करवाया था। राहुल गांधी ने सभी की बातें बड़े ध्यान से सुनी थीं। बहुत से लोगों ने राहुल गांधी को गहलोत सरकार की कई खामियों के बारे में भी बताया था। जिनको लेकर राहुल गांधी ने यात्रा के अंतिम दिन अलवर में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित अन्य प्रमुख नेताओं के साथ एक बैठक कर सभी बातों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की व प्रदेश में जो समस्याएं हैं उनका समाधान निकालने के लिए भी मुख्यमंत्री को कहा था। राजस्थान कांग्रेस में सितंबर महीने में चले राजनीतिक घटनाक्रम के बाद पार्टी की फूट खुलकर सड़कों पर आ गई थी। मगर राहुल गांधी की यात्रा के बाद कांग्रेस एक बार फिर से एकजुट नजर आने लगी है। अजय माकन के इस्तीफे के बाद पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा को राजस्थान कांग्रेस का नया प्रभारी बनाया गया है। वह भी प्रदेश में लगातार दौरे कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं से फीडबैक ले रहे हैं तथा पार्टी में आपसी एकता कायम करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

वोट बटोरने के लिये अगले बजट में होंगी लोक लुभावनी घोषणाएं

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अगली बार फिर से सरकार रिपीट करने को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा है कि आने वाला बजट पूरी तरह किसानों व गरीबों को समर्पित होगा। गहलोत सरकार द्वारा वोट बटोरने के लिये अगले बजट में कई लोक लुभावनी घोषणाएं भी की जाएंगी। कांग्रेस पार्टी के सभी बड़े नेता बढ़-चढ़कर दावा कर रहे हैं कि प्रदेश में कई हजार लोगों को राजनीतिक नियुक्तियां दी गई हैं। जिनकी बदौलत पार्टी को अगले चुनाव में बड़ी सफलता मिलेगी। मगर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित कांग्रेस के सभी बड़े नेता इस बात को भूल जाते हैं कि राजनीतिक नियुक्तियों में जिनको बड़े पद दिए गए हैं वह सभी पार्टी के बड़े नेता हैं। अधिकांश बड़े पदों पर विधायकों, पूर्व सांसदों, पूर्व विधायकों व संगठन में बड़े पदों पर रहे नेताओं को ही समायोजित किया गया है। आम जनता के बीच रहकर रात दिन पार्टी के लिए काम करने वाले उन कार्यकर्ताओं को क्या मिला जो बूथों पर जाकर पार्टी के पक्ष में वोट डलवाते हैं तथा विपक्षी दलों के लोगों से झगड़ा तक करते हैं। आज बूथ से लेकर ग्राम इकाई, ब्लॉक इकाई व जिला संगठन में काम करने वाले अधिकांश पदाधिकारियों को सत्ता में कोई भागीदारी नहीं मिल पाई है। जो जमीनी स्तर पर काम करने वाले लोग हैं। कार्यक्रमों में दरिया बिछाते हैं। पार्टी के लिए मरने मारने पर उतारू रहते हैं। रात दिन कांग्रेस के नाम की माला जपते हैं। वैसे लोगों का राजनीतिक नियुक्तियों में कहीं भी नाम नहीं है। राजनीतिक नियुक्तियों में उन्हीं लोगों को पद मिले हैं जो मौजूदा विधायकों या बड़े नेताओं के नजदीकी रहकर चापलूसी की राजनीति करते हैं। जो लोग सत्ता की दलाली करते हैं। वह जोड़ तोड़ कर सरकारी पदों पर आसीन हो जाते हैं। जबकि नीचे के स्तर पर काम करने वाले आम कार्यकर्ताओं को कोई भी नहीं पूछता है। कांग्रेस पार्टी में जब तक ग्रास रूट वर्कर को महत्व नहीं मिलेगा तब तक किसी भी स्थिति में फिर से सरकार नहीं बना पाएगी। सत्ता की मलाई खाने वाले अधिकांश नेता अपने राजनीतिक स्वार्थ के चलते मौका देखकर दल बदलने में भी देर नहीं लगाते हैं। जबकि जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं के मन में पार्टी के प्रति भावना कूट-कूट कर भरी रहती है और वह किसी भी स्थिति में पार्टी को नहीं छोड़ते हैं। उन्हीं जमीनी कार्यकर्ताओं के बल पर आज भी कांग्रेस पार्टी पूरे देश में टिकी हुई है।

राज्य में गुटों में बंटी भाजपा गुटबाजी के दलदल में फंसी

राजस्थान में भाजपा की स्थिति भी बहुत अच्छी नहीं कही जा सकती है। राजस्थान में गुटों में बंटी भाजपा गुटबाजी के दलदल में फंसी हुई है। यहां हर बड़े नेता का अपना गुट बना हुआ है। हर बड़ा नेता अपने को अगला मुख्यमंत्री मानकर चल रहा है। ऐसे में संगठन के स्तर पर भाजपा की हालत बहुत खराब हो रही है। लगातार सत्ता में रहने के कारण भाजपा कार्यकर्ताओं में भी चापलूसी हावी होती जा रही है। संगठन में कई ऐसे लोगों को बड़े पदों पर बैठा दिया गया है जो अपने गांव में पंच का चुनाव भी नहीं जीत सकते हैं। आपसी गुटबाजी के चलते ही भाजपा द्वारा प्रदेश में निकाली गई जन आक्रोश यात्राओं को उतना समर्थन नहीं मिल पाया जितना मिलना चाहिए था। पार्टी के ग्रास रूट के कार्यकर्ता अपनी उपेक्षा से क्षुब्ध होकर घर बैठ गए हैं। जोड़-तोड़ कर पद हासिल करने वाले लोगों के पास जनसमर्थन नहीं है। इसी कारण पार्टी के कार्यक्रम लगातार फेल हो रहे हैं। अब भाजपा में भी पैसों की राजनीति हावी होने लगी है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे व उनके समर्थक संगठन से अलग राह पर चल रहे हैं। जिससे जनता में अच्छा संदेश नहीं जा रहा है। आम आदमी पार्टी का प्रदेश में अभी कुछ भी प्रभाव नहीं है। नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी पर जातिवाद का ठप्पा लगा हुआ है। जिसे हटाये बिना पार्टी बड़ा जनाधार नहीं बना सकती है। बहुजन समाज पार्टी की प्रदेश में विश्वसनीयता समाप्त हो गई है। हर बार पार्टी के जीते विधायक दल बदल कर दूसरे दलों में शामिल हो जाते हैं। इससे बसपा को वोट देने वाले वोटर खुद को ठगा महसूस करते हैं। वामपंथी दलों का राजस्थान में आधार समाप्त हो गया है। प्रदेश की आदिवासी बेल्ट में पिछली बार भारतीय ट्राइबल पार्टी के दो विधायक जीते थे। मगर सत्ता सुख के चक्कर में उनकी विश्वसनीयता समाप्त हो गई है। असदुद्दीन ओवैसी मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। उनके प्रत्याशियों से सीधे भाजपा उम्मीदवारों को ही लाभ मिलना तय माना जा रहा है। चुनाव आते ही प्रदेश में कुकुरमुत्तों की तरह नेताओं की फौज खड़ी हो जाएगी। हजारों लोग मेरा विधानसभा क्षेत्र मेरा विधानसभा क्षेत्र लिखकर सोशल मीडिया पर कैंपेन चलाएंगे। मगर चुनाव बीत जाने के बाद पांच साल तक उनका कोई ठिकाना भी नहीं रहता है। प्रदेश की जनता को बिना किसी के प्रलोभन में आए ऐसी सरकार बनानी चाहिए जो ईमानदारी से आम जन की सेवा कर सके। तभी प्रदेश के आम लोगों का भला हो पाएगा।

बिहार में बढ़ रहा तेजस्वी का कद, आरजेडी नेताओं की मंशा नीतीश उनको सौंपे कमान

» जनता में भी बढ़ रही है डिप्टी सीएम की पहचान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जातिगत जनगणना की शुरुआत करवाकर जहां तेजस्वी यादव ने बिहार में राजनीतिक बढ़त ले ली है। उधर नीतीश भी इस कार्य को खुद निगरानी कर रहे हैं। राजनैतिक विश्लेषकों का मानना है कि 2024 लोक सभा चुनाव में जहां सीएम नीतीश अपने को केंद्रीय स्तर पेश करने की जुगत मै हैं तो तेजस्वी 2025 बिहार में सीएम बनना चाहते हैं। बिहार में जिस तरह से तेजस्वी की लोकप्रियता का ग्राफ बढ़ रही है उससे तो ऐसा लगता है कि वह भाजपा को तो परेशान करेंगे ही, जदयू को भी प्रभावित करेंगे। इसका संकेत राज्य के बड़े नेता उपेंद्र कुशवाहा ने भी दिए हैं। उन्होंने माना, तेजस्वी को बड़ा मौका है।

उन्होंने कहा कि यह चिंता की बात हमारी पार्टी के बीच जरूर है, इससे आरजेडी मजबूत होगी। जेडीयू समेत महागठबंधन के सभी दल के नेता यही चाहते हैं कि नीतीश कुमार देश की राजनीति करें। वो विपक्षी दलों को एकजुट करें और पीएम पद के रेस में आएं, लगातार इसको लेकर बयान भी आ रहे हैं, आरजेडी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने भी यह बात कह दी है कि नीतीश कुमार देश की राजनीति करें और तेजस्वी को कमान सौंप दें, इस बीच सबसे बड़ा सवाल है कि नीतीश की पार्टी जेडीयू का क्या होगा? इस बीच उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि हमलोग पूरी ईमानदारी से चाहते हैं कि नीतीश कुमार पीएम के रेस में आएं, इसलिए पूरी पार्टी नीतीश कुमार के साथ है, एक सवाल पर कि नीतीश कुमार देश की राजनीति करेंगे तो आगे महागठबंधन में नेता के तौर पर तेजस्वी यादव आएंगे तो फिर जेडीयू को कौन संभालेगा? इस पर उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि चिंता की बात हमारी पार्टी के बीच जरूर है, इससे आरजेडी मजबूत होगी, जनता दल यू के साथियों के मन में जरूर इस बात की चिंता है कि आगे कैसे होगा, हालांकि पार्टी के जो भी नेता या कार्यकर्ता हैं तो उनको नीतीश कुमार पर भरोसा है, उनकी सोच पर उनकी क्षमता पर भी भरोसा है। पार्टी में डिप्टी सीएम बहुत कुछ तय करता है, सरकार में भी बहुत कुछ करता है तो क्या नीतीश कुमार आपको (उपेंद्र कुशवाहा) डिप्टी सीएम बनाएंगे? इस सवाल का जवाब देते हुए कुशवाहा ने कहा कि डिप्टी सीएम बनने के लिए हम बहुत आकांक्षी हैं ऐसा नहीं है, पूरी पार्टी के लिए, स्टेट के लिए, उनके मनोबल को बढ़ाने के लिए जो कुछ भी करना है वो अंततः नीतीश कुमार ही करेंगे, हम अपनी ओर से परेशान हैं या मांग कर रहे हैं ऐसा नहीं है। उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि हम लोग पार्टी को आगे बढ़ाने के लिए जेडीयू में आए थे, वहीं एक दूसरे सवाल पर कि कुशवाहा की राजनीति में कहीं न कहीं नीतीश कुमार पिछड़ रहे हैं जिसको पूरा करने के लिए वो आपको लेकर आए थे. तो आपको लगता है कि ये जोड़ी जब कामयाब हो, यह तभी संभव है जब सरकार में दिखे, इस पर कुशवाहा ने खुलकर जवाब दिया। कुशवाहा ने कहा कि निश्चित रूप से लोगों की अपेक्षा तो रहती है, खास कर व्यक्तिगत रूप से हम लोगों की अपेक्षा न हो, लेकिन लोगों की तो रहती है, बहुत सारे लोगों ने ताकत दी, अति पिछड़ा समाज के लोगों ने या सवर्ण जाति के लोगों ने भी ताकत दी ह, ऐसे में जो मूल रूप से हमारा आधार है उसकी चिंता तो निश्चित रूप से हमको रखनी पड़ेगी, हमारे समर्थक निराश नहीं हैं, उत्साह में है, आप कब तक ऐसे ही पार्टी में इंतजार करेंगे, इस पर कहा कि देखिए इंतजार की बात नहीं है, निर्णय नीतीश कुमार को लेना है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

चाल-चरित्र और चेहरे पर सवाल

एक समय था जब राजनीति को शिष्टाचार की पाठशाला भी कहा जाता था, मगर समय के साथ ही सियायत में शिष्टाचार का दायरा सिकुड़ता चला जा रहा है। राजनीतिक दलों के बीच वैचारिक मतभेद पहले भी होते थे तथा मुद्दों और नीति पर चर्चाएं भी खूब होती थीं। सदन हो या सड़क एक दायरे में ही नेता अपनी बात को कहते और पार्टियों के वैचारिक मतभेद तक ही सीमित रहते। इतना ही नहीं अलग-अलग दलों में होने के बावजूद भी एक-दूसरे का लिहाज नेताओं में होता था और आपसी मुलाकात में कोई संकोच भी नहीं था। देश और प्रदेश की राजनीति के ऐसे अनेकों किस्से हैं जिसमें अपनी सरकार की नीति के खिलाफ भी सदन से सड़क तक नेताओं ने विरोध किया और विपक्ष ने पार्टियों की सीमाओं के बाहर आकर अच्छे काम पर सरकार का पक्ष भी लिया। परंतु आज सदन हो या सोशल मीडिया अथवा मीडिया चैनल हो या सड़क भाषा की कोई मर्यादा अब दिखाई नहीं देती है। नेता हो या कार्यकर्ता जिस की समझ में जो अनाप-शनाप आता है उसको बोलने और लिखने में शब्दों की सीमा को लांघ रहे हैं। नेताओं की इस हरकत पर उनकी पार्टी कोई लगाम नहीं लगा पा रही है और न कोई संवैधानिक संस्था ऐसे वचन-कथन का संज्ञान लेकर लोगों पर कार्रवाई करती दिख रही।

दरअसल, राजनीति की स्याह होती तस्वीर का ताजा उदाहरण उत्तर प्रदेश से जुड़ा है। यहां सियासी दलों के लोगों द्वारा शब्दों और सीमाओं की मर्यादा को लांघा ही नहीं जा रहा बल्कि लोकतंत्र में सियासत की गरिमा को उस हद तक गिराया जा रहा है, जिसको राजनीति के भविष्य के लिए किसी तरह से उचित नहीं ठहराया जा सकता। हालांकि इस क्षेत्र में लोगों का दामन दागदार होने की बातें सामने आती रही हैं, मगर भाषा की मर्यादा का सियासी दलों की ओर से एक-दूसरे के लिए हमेशा ध्यान रखा जाता रहा और आदर बना रहा। आज के सियासी परिवेश में ऐसा माहौल दिखाई नहीं देता है। डिजिटल वार के जरिए जरा-जरा सी बातों पर सोशल मीडिया से लेकर मीडिया तक में तलवारें खींची नजर आती हैं। भाजपा खेमे ने जिस तरह से विपक्ष और सपा के नेता अखिलेश यादव के परिवार पर अनर्गल टिप्पणी ट्विटर पर की है उससे साफ जाहिर हो गया है कि शब्दों की कोई सीमा सियासत में अब रह नहीं गई। इसकी पुष्टि ट्विटर पर लिखी गई भाषा खुद में कर रही है और सियासी मूल्यों की गिरावट को साफ दर्शा भी रही है। ऐसे में पार्टियों का अपने लिए चाल-चरित्र और चेहरे की बात करना अब सियासत में बेमानी के सिवा कुछ नहीं है। अगर वाकई दलों के इस नारे में दम है तो इसकी बानगी भी उन्हें कार्रवाई करके दिखानी होगी और गलत वचन-कथन करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाने होंगे। ताकि सियायत में एक कड़ा और साफ संदेश जाए कि गलत बयानवीरों और कथनकारों की कोई जगह उनके दल में नहीं है और उनकी कथनी और करनी में भी फर्क नहीं है। अगर समय रहते राजनीतिक दलों ने ऐसा नहीं किया तो भविष्य में इसके परिणाम बेतहर नहीं होंगे।

देश और प्रदेश की राजनीति के ऐसे अनेकों किस्से हैं जिसमें अपनी सरकार की नीति के खिलाफ भी सदन से सड़क तक नेताओं ने विरोध किया और विपक्ष ने पार्टियों की सीमाओं के बाहर आकर अच्छे काम पर सरकार का पक्ष भी लिया। परंतु आज सदन हो या सोशल मीडिया अथवा मीडिया चैनल हो या सड़क भाषा की कोई मर्यादा अब दिखाई नहीं देती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बेरोजगारी-महंगाई से निपटने का लें संकल्प

सुरेश सेठ

हमारा देश एक उत्सवधर्मी देश है। बीते वर्ष में हमने अपनी उपलब्धियों के बहुत उत्सव मनाए। सबसे पहले आजादी का अमृत महोत्सव मनाया और घोषणा की कि चाहे उपलब्धियों की आनबान के बावजूद देश अभी विकसित देश नहीं कहला पाया लेकिन 2047 के शतकीय महोत्सव में अपना देश अवश्य विकसित हो जाएगा। बीच में आया 2022 को अलविदा कहता हुआ 2023 का पहला दिन। पूर्व उत्साह से देश ने पिछले वर्ष को अलविदा कहा और नये वर्ष का स्वागत किया। कुछ अच्छी खबरें भी देने की कोशिश हुई। एक तो यह कि देश ने महंगाई पर नियंत्रण पाने की ओर कदम बढ़ा लिया और सात महीनों के बाद रिजर्व बैंक के द्वारा निश्चित खुदरा कीमतों का उच्चतम स्तर जो 6 प्रतिशत है, उससे नीचे देश की कीमतें आ गईं 5.8 प्रतिशत तक।

उम्मीदों की बारात सजी है इस 2023 के वर्ष में कि महंगाई नियंत्रित होगी। लोगों की बेरोजगारी खत्म होगी। भ्रष्टाचार का उन्मूलन होगा और देश तरक्की की राह पर इस प्रकार बढ़ेगा कि लोगों को जिंदगी जीने में कोई असुविधा नहीं रहेगी, भी दोहराया गया। चाहे पर्यावरण प्रदूषण उन्हें कितना ही परेशान क्यों न कर ले। नये वर्ष का स्वागत चमकदार था क्योंकि भारत ने जी20 देशों की अध्यक्षता एक वर्ष के लिए निभाने का पहला शेरपा सम्मेलन या आत्मगौरव से अलंकृत उत्सव उदयपुर में मना लिया। इसके साथ ही घोषणा की कि देश के कोने-कोने में 200 और ऐसे सम्मेलन करवाए जाएंगे और इन सम्मेलनों से भारत वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश दुनिया को देगा। इसी बीच अस्थाई सदस्य होने के बावजूद सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता भी कुछ समय के लिए मिल गई। बड़े देशों ने भारत को सुरक्षा परिषद में स्थाई सदस्यता देने के लिए पैरवी भी कर दी। लेकिन इससे गौरवान्वित तो हो सकते हैं, राष्ट्रीयता के प्रति समर्पित होने की बात भी कह सकते हैं। वर्ष के अंतिम दिन अपनी मातृश्री के देहावसान पर भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने कार्य को न रोककर पूरे देश को कार्य संस्कृति के प्रति समर्पित होने का संदेश भी दे दिया।

लेकिन अब आ गया है नया वर्ष। इस नये वर्ष में स्वागत गान और शोभायात्राओं के साथ चुनौतियों का एक रण मैदान भी बिछा हुआ नजर आता है। सही नहीं होगा कि अगर उन चुनौतियों का जायजा न लिया जाए और उनसे संघर्ष के लिए एक प्रभावी रणनीति न बना दी जाए। यह सही है

कि वर्ष के आखिरी दिनों में भारत सरकार ने देश की 81.3 करोड़ जनता को एक अन्य वर्ष के लिए रियायती गेहूं प्रदान करने की स्वीकृति दे दी। लोगों को भूख से मरने न देने की गारंटी को दोहरा दिया। सुप्रीम कोर्ट ने भी भूख से मरते लोगों के प्रति चिंता प्रकट की और आशा जताई कि देश में अब भूखे और बेकार लोगों को जीवन संकट आने से पहले बचा लिया जाएगा। लेकिन इसके साथ कोई गारंटी देशवासियों को नहीं मिली कि हर एक को उचित रोजगार मिलेगा। यह तो कह दिया गया कि हम देश के लोगों को, उसकी युवा शक्ति को रोजगार मांगने के स्थान पर रोजगार देने के काबिल बना देंगे लेकिन देश फिर भी अनुकम्पाएं प्राप्त करने की कतार में खड़ा नजर आता है। इस वर्ष से लेकर महाचुनाव तक जो नौ राज्यों के चुनाव होने जा रहे हैं, उनमें भी यही लगता है कि हर पार्टी और विशेष रूप से सत्तारूढ़ पार्टी रेवड़ियां न बांटने का आश्वासन देते हुए भी अधिक से अधिक लुभावनी रियायतों की घोषणा करके वोटरों को अपनी तरफ आकर्षित करने का प्रयास करेगी। जैसा कि पिछले साल के गुजरात, हिमाचल विधानसभा और दिल्ली निगम चुनावों के दौरान हुआ। इस वर्ष की सबसे पहली और बड़ी समस्या जो अपने समाधान की मांग कर रही है ताकि यह युवा भारत कहीं रोजगार के बिना असमय ही बूढ़ा न हो जाए, वह है बेकारी की वह समस्या जो इस समय ऊंचाई पर चली गई नजर आती है। देश में बेरोजगारी 16 माह के उच्च स्तर पर चली गई है। पूरे देश के लिए बेरोजगारी 8.30 फीसदी रही जबकि इससे पिछले साल 8 फीसदी थी। लेकिन असल समस्या है शहरी बेरोजगारी की दर जो बढ़कर 10.09 फीसदी के स्तर पर पहुंच गई है। जबकि पिछले वर्ष इसी मास यह आंकड़ा 8.96 फीसदी था।

हम कह सकते हैं कि ग्रामीण इलाकों में बेरोजगारी दर 0.11 फीसदी घटकर 7.44 फीसदी हुई जो पिछले साल नवम्बर में 7.55 फीसदी थी लेकिन मत भूलिए, ग्रामीण रोजगार हमेशा आंकड़ों से लुकाछिपी खेलता है। भारत के गांवों में रोजगार का भ्रम छुपी हुई बेरोजगारी भी तो देती है अर्थात ? लोग खेतों में काम करते हुए नजर आते हैं लेकिन कुल आय में वृद्धि नहीं कर पाते। ऐसा अनार्थिक जोतों में जरूरत से अधिक काम करते लोगों में होता है। फिर यहां रोजगार मौसमी होता है। फसल बीजने और काटने के समय अधिक और बाद में कम।

छोटी बचत योजनाओं को बनाएं आकर्षक

जयंतीलाल भंडारी

यद्यपि सरकार द्वारा जनवरी से मार्च, 2023 तिमाही के लिए राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी), डाकघर सावधि जमा, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना सहित छोटी जमा राशि पर ब्याज दरों में की गई बढ़ोतरी देश के छोटे निवेशकों के लिए सुकूनदेह है, किन्तु महंगाई और जीवन निर्वाह के बढ़ते खर्चों के मद्देनजर अभी छोटी बचत योजनाओं को और अधिक आकर्षक बनाना जरूरी है। गौरतलब है कि अब जनवरी, 2023 से एनएससी पर 7 फीसदी की ब्याज दर मिलेगी, जबकि वर्तमान में यह 6.8 फीसदी है। वरिष्ठ नागरिक बचत योजना वर्तमान में 7.6 फीसदी के मुकाबले अब 8 फीसदी ब्याज देगी। 1 से 5 साल की अवधि की डाकघर सावधि जमा योजनाओं पर ब्याज दरों में 1.1 फीसदी तक की वृद्धि होगी। मासिक आय योजना में भी 6.7 फीसदी से बढ़कर 7.1 फीसदी ब्याज मिलेगा। ज्ञातव्य है कि इससे पहले 9 सितम्बर को सरकार ने अक्टूबर से दिसंबर, 2022 की तीसरी तिमाही में किसान विकास पत्र की ब्याज दर को 6.9 फीसदी से बढ़ाकर 7 फीसदी किया था।

उल्लेखनीय है कि पिछले करीब ढाई वर्षों में कोविड-19 की आर्थिक चुनौतियों से लेकर अब तक महंगाई की चुनौतियों के बीच देश में आम आदमी, नौकरीपेशा वर्ग और निम्न मध्यम वर्ग के सामने एक बड़ी चिंता उनकी छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दर कम रहने की बनी हुई थी। इतना ही नहीं, नए वर्ष 2023 में रूस-यूक्रेन युद्ध के जारी रहने, वैश्विक खाद्यान्न उत्पादन में कमी, अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा वर्ष 2023 में मौद्रिक नीति को सख्त बनाए जाने से डॉलर की तुलना में रुपये की कीमत घटने की चिंता तथा चीन सहित दुनिया के कई देशों में कोहराम मचा रहे कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रान बीएफ-7 की वजह से वर्ष 2023 में महंगाई बढ़ने की आशंका के बीच नए वर्ष 2023 की शुरुआत में छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दर में वृद्धि छोटे निवेशकों के लिए राहतकारी है।

स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि इस समय देश में वैश्विक चुनौतियों के बीच अर्थव्यवस्था की गतिशीलता व कारोबार के लिए कर्ज की मांग तेजी से बढ़ रही है और बैंकों में कर्ज के मुकाबले जमा की धीमी रफ्तार है। रिजर्व बैंक के हाल के आंकड़ों से पता चलता है कि बैंकों की ऋण वृद्धि दर जमा वृद्धि दर की तुलना में डेढ़ गुना से भी अधिक है। ऐसे में सरकारी और प्राइवेट सेक्टर के तमाम बैंकों में बढ़ते हुए ऋणों की जरूरत के मद्देनजर जमा धन राशि बढ़ाने हेतु सावधि जमा (एफडी) पर ब्याज दरों में वृद्धि की होड़ लग गई है। ऐसे में छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दर में वृद्धि न्यायसंगत दिखाई दे रही है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि छोटी बचत योजनाओं में निवेश करने वाले अधिकांश लोग छोटे करदाताओं व मध्यम वर्ग से संबंधित हैं। इस वर्ग को उम्मीद थी कि चालू वित्त वर्ष 2022-23 के बजट से उपयुक्त राहत मिलेगी।

लेकिन ऐसा नहीं हुआ है, उम्मीद की जा रही थी कि सरकार द्वारा वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में टैक्स का बोझ कम करने के लिए अभूतपूर्व प्रोत्साहन सुनिश्चित किए जाएंगे। अपेक्षा थी कि टैक्सपेयर्स को राहत देते हुए सरकार द्वारा टैक्स में छूट की सीमा को दोगुना कर 5 लाख तक की जाएगी। वित्तमंत्री द्वारा नौकरीपेशा वर्ग के लोगों को स्टैण्डर्ड डिडक्शन की सीमा बढ़ाकर विशेष राहत दी जाएगी। उम्मीद की जा रही थी कि मौजूदा समय में धारा 80सी के तहत 1.50 लाख रुपये की जो छूट मिलती है, उसे बढ़ाया जाएगा। इसके तहत ईपीएफ, पीपीएफ, एनएससी, जीवन बीमा, बच्चों की ट्यूशन फीस और होम लोन का मूलधन भुगतान भी शामिल है। मकानों की बढ़ती हुई कीमत को देखते हुए धारा 80सी के तहत 1.50 लाख की छूट पर्याप्त नहीं है। धारा 80सी के तहत कर छूट की सीमा तीन लाख रुपये किए जाने की उम्मीद की जा रही थी। देश में करीब 14 करोड़ वरिष्ठ नागरिक हैं। वित्तमंत्री द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयकर की छूट सीमा बढ़ाकर, उन्हें राहत दिए जाने की अपेक्षा की जा रही थी। चूंकि चालू वित्त वर्ष के बजट में छोटे करदाताओं को कोई संतोषजनक राहत नहीं मिली है। ऐसे में बचत योजनाओं पर ब्याज दर बढ़ाए जाने से इस वर्ग को महंगाई से मुकाबले के लिए कुछ राहत अवश्य मिली है। देश में बचत की प्रवृत्ति के लाभ न केवल कम आय वर्ग के परिवारों के लिए हैं, वरन पूरे समाज व अर्थव्यवस्था के लिए भी हैं। हमारे देश में बचत की जरूरत इसलिए भी है क्योंकि हमारे यहां विकसित देशों की तरह सामाजिक सुरक्षा का उपयुक्त ताना-बाना नहीं है। यद्यपि देश के संगठित क्षेत्र के लिए ईपीएफ सामाजिक सुरक्षा का महत्वपूर्ण माध्यम है, लेकिन असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले करोड़ों लोगों के लिए विभिन्न बचत योजनाओं में ब्याज दर कम होने के कारण सामाजिक सुरक्षा एक बड़े प्रश्न के रूप में उभरकर दिखाई दे रही है। बचत योजनाओं पर मिलने वाली ब्याज दरों पर देश के उन तमाम छोटे निवेशकों का दूरगामी आर्थिक प्रबंधन निर्भर होता है जो अपनी छोटी बचतों के जरिये जिंदगी के कई महत्वपूर्ण कामों को निपटाने की व्यवस्था सोचे हुए हैं। मसलन बिटिया की शादी, सामाजिक रीति-रिवाजों की पूर्ति, बच्चों की पढ़ाई और सेवानिवृत्ति के बाद का जीवन। छोटी बचत योजनाएं रिटायर हो चुके और डिपॉजिट पर मिलने वाले ब्याज पर निर्भर बुजुर्ग पीढ़ी का सहारा बनती हैं। यद्यपि छोटी बचत योजनाओं में ब्याज दर की कमाई का आकर्षण घटने से वर्ष 2012-13 के बाद सकल घरेलू बचत दर लगातार घटती गई है।

कई बीमारियों का संकेत है सर्दी में पसीना

गर्मियों में पसीना आना एक आम समस्या है लेकिन कई लोग ऐसे भी होते हैं जिन्हें कड़ाके की ठंड में भी पसीने की दिक्कत होती है। अगर आप भी इन लोगों में शामिल हैं तो इसे बिल्कुल भी नजरअंदाज न करें। शरीर में पसीना आना एक आम प्रक्रिया है। गर्मी के सीजन में पसीना आना सामान्य बात है। अक्सर ज्यादा गर्मी होने या कोई एक्सरसाइज या कड़ी मेहनत करने से पसीना आता है। लेकिन कई लोग ऐसे भी होते हैं, जिन्हें सर्दियों में भी पसीना आने की समस्या होती है। कई बार आपने यह देखा होगा कि बिना कोई मेहनत किए भी लोगों को कड़ाके की ठंड में पसीना आने लगता है। ऐसे में अगर आप भी इन लोगों में शामिल हैं, ते इस बात को बिल्कुल भी नजरअंदाज न करें।

क्योंकि सर्दियों में पसीना आना इन गंभीर बीमारियों का संकेत हो सकता है।

मैनोपॉज

50 साल की उम्र वाली महिलाओं को सर्दियों में पसीना आ रहा है, तो यह मैनोपॉज के संकेत हो सकते हैं। दरअसल, मैनोपॉज की शुरुआत के दौरान हार्मोनल गतिविधियों की वजह से पसीना आने लगता है। महिलाओं में जिस तरह से मेनोपॉज के बाद पीरिएड्स होना बंद हो जाता है और कई सारी शारीरिक समस्याएं बढ़ने लगती हैं, ठीक उसी तरह पुरुषों में टेस्टोस्टेरोन नाम का हार्मोन का रिलीज होना बंद हो जाता है। महिलाओं और पुरुषों में मेनोपॉज के एक एकमात्र अंतर उस समय के अवधि से है जिसमें वे होते हैं।

मोटापा

सर्दियों के सीजन में पसीना आना मोटापे का संकेत भी हो सकता है। अक्सर मोटापे की वजह से भी लोगों को सर्दियों में पसीना आने लगता है। ऐसे में अगर आप इस समस्या से परेशान हैं, तो इसे बिल्कुल भी नजरअंदाज न करें। इसके अलावा शरीर में ज्यादा कोलेस्ट्रोल की वजह से भी सर्दी में पसीना आता है।

लो शुगर लेवल

ठंड पसीना आना लो शुगर लेवल का संकेत हो सकता है। दरअसल, शरीर में शुगर के लेवल में कमी होने की वजह से सर्दियों में पसीना आता है। अगर आपके शरीर में तय मात्रा से कम शुगर लेवल है, तो आपको सर्दियों नें पसीना आने की समस्या हो सकती है। ऐसे में इसे बिल्कुल भी नजरअंदाज न करें, क्योंकि डायबिटीज के मरीजों के लिए यह स्थिति खतरनाक हो सकती है।

लो ब्लड प्रेशर

अगर आपको सर्दी में पसीना आ रहा है, तो यह लो ब्लड प्रेशर का संकेत हो सकता है। दरअसल, सर्दियों में ब्लड प्रेशर कम होने की वजह से हार्ट तक जाने वाली धमनियों में कैल्शियम की मात्रा बढ़ने लगती है, जिससे वह बंद होने लगती है। ऐसे में हार्ट रेट बढ़ने के साथ ही पसीना आने लगता है। अगर आपको भी ऐसी दिक्कत हो रही है, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें, क्योंकि ऐसी स्थिति में हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है।

हाइपरहाइड्रोसिस

यह एक ऐसी बीमारी है, जिसमें मरीजों को किसी भी मौसम में ज्यादा पसीना आने लगता है। अगर आपको भी सर्दियों चेहरे, हथेलियों और तलवों में काफी पसीना आता है, तो यह हाइपरहाइड्रोसिस का संकेत हो सकता है। सामान्य तौर पर पसीना आने से शरीर का तापमान नियंत्रित रहता है। लेकिन हाइपरहाइड्रोसिस की स्थिति में सर्दियों में भी हथेलियों और तलवों से पसीना आता है। प्राइमरी हाइपरहाइड्रोसिस के अधिकतर मामलों में कोई कारण नहीं पाया गया, यह पारिवारिक रूप से प्रसारित होता प्रतीत होता है।

हंसना मना है

पहला दोस्त: यार मैंने अपनी बहन की डायमंड, रींग चुराकर मेरी गर्लफ्रेंड को दे दी, दुसरा दोस्त : हरामखोर, दो दिन हमाली करके खरीदकर दी थी तेरी बहन को, पहला दोस्त: अबे मारता क्यों है बे साले तेरी बहन को ही तो दी है।

लड़की: कितना प्यार करते हो मुझसे? लड़का: शाहजहांन जैसा, लड़की: तो ताजमहल बनवाओ, लड़का: जमीन खरीद ली है, बस तुम्हारे मरने का इंतजार कर रहा हूं।

पप्पु बहूत देर से एक लड़की को घुर रहा था, लड़की : तेरे घर में मां बहन नहीं है क्या? पप्पु : है न तभी तो देख रहा हूं, क्योंकि मां को बहू और बहन को भाभी चाहिए।

दुनिया बुरी हो सकती है तुम नहीं, लोग बुरे हो सकते है तुम नहीं, दुनिया बेवफा हो सकती है तुम नहीं, पागल ठिक हो सकते हैं तुम नहीं।

एक लड़का पार्क में पेड़ के पीछे अपनी गर्लफ्रेंड के साथ खड़ा था, एक बुजुर्ग आदमी पास से गुजरा और बोला: बेटे क्या यह हमारी संस्कृति है? लड़का: नही अंकल, यह तो मल्होत्रा अंकल की टीना है, आप दुसरे पेड़ के पीछे चेक कीजिए शायद वहां हो।

कहानी | हाथी और दर्जी

एक गांव रत्नापुर में रोज एक पुजारी पूजा-पाठ करता था। उस पुजारी के पास अपना एक हाथी था, जिसे वो अपने साथ रोज़ मंदिर लेकर जाता था। सभी गांव के लोग हाथी को बहुत पसंद करते थे। हाथी भी मंदिर में आने वाले सभी श्रद्धालुओं का खूब स्वागत-सत्कार किया करता था। रोज हाथी तालाब में नहाने के बाद घर लौटते समय दर्जी की दुकान पर रुकता था। दर्जी भी रोज हाथी को प्यार से एक केला खाने को देता। एक दिन हाथी जब दर्जी की दुकान पर केला खाने के लिए रुका, तो दर्जी को शरारत करने का दिल हुआ। उसने हाथी को केला देने के बाद अपने हाथ में सुई रख ली। जैसे ही हाथी ने उसे नमस्ते किया, दर्जी ने उसकी सूंड पर सुई चुभा दी। सुई चुभते ही हाथी जोर से चिंघाड़ते हुए करहाने लगा। दर्जी ने हाथी के दर्द का खूब मजाक उड़ाया और जोर-जोर से हंसने लगा। पुजारी को पता नहीं चला कि क्या हुआ। वो हाथी को सहलाते हुए अपने घर लेकर चला गया। अगले दिन फिर हाथी दर्जी की दुकान पर रुक गया। आज हाथी ने अपने सूंड में कीचड़ भर लिया था। दर्जी अपनी दुकान में बैठकर कपड़ों की सिलाई कर रहा था। जैसे ही हाथी ने दर्जी को देखा, वैसे ही हाथी ने उसकी पूरी दुकान पर कीचड़ फेंक दिया। उस कीचड़ में दर्जी तो भीगा ही, बल्कि उसकी दुकान के सीले हुए कपड़े भी खराब हो गए। इस सबसे दर्जी समझ गया कि मैंने कल जो किया था, उसी का दण्ड हाथी ने मुझे आज दिया है। दर्जी को अपनी गलती का एहसास हुआ और उसने हाथी से माफी मांगी। उसने कहा, हे गजराज, आपने बिल्कुल सही किया। मैंने जो कल किया था, उसका नतीजा यही होना चाहिए। हाथी ने दर्जी की तरफ देखा और अपनी सूंड को हवा में लहराते हुए वहां से चला गया। दर्जी को मन-ही-मन बहुत बुरा लग रहा था। उसने अपने एक अच्छा दोस्त हाथी खो दिया था। उस दिन से दर्जी ने ठान ली कि वो किसी को भी मजाक में भी नुकसान नहीं पहुंचाएगा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आपके पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे। आप किसी नये काम की शुरूआत कर सकते हैं। किसी काम में माता-पिता की राय लेना बेहतर रहेगा।

वृषभ

आपके दिन की शुरुआत भागदौड़ और मेहनत के साथ होगी। अपने रिश्ते में सुधार लाने के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है। रूके हुए कार्य पूरे होंगे।

मिथुन

इससे पहले कि नकारात्मक विचार मानसिक बीमारी का रूप ले लें, आप उन्हें खत्म कर दें। जेवर और एंटीक में निवेश फायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा।

कर्क

आज आपका दिन सामान्य रहेगा। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन महत्वपूर्ण है। परिवार में विवाद की स्थिति बन सकती है। आप किसी बात से परेशान हो सकते हैं।

सिंह

आज आपकी कार्यनिष्ठा ही आपकी विजय का कारण बनेगी। कुछ काम बनेगे और कुछ बनते बनते अपनी ही गलती से रुक सके है या अटक सकते है।

कन्या

आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। अपना नज़रिया दोस्तों और रिश्तेदारों पर थोपने की कोशिश न करें।

तुला

आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। घर के बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लेना आपके लिए कारगर साबित हो सकता है। परिवार में कुछ अनबन की स्थिति हो सकती है।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। कामकाज में धीरे-धीरे वापस गति आएगी। करियर में आगे बढ़ने के कुछ नए मौके मिल सकते हैं।

धनु

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-खासा मुनाफा देंगे। अपने परिवार की भलाई के लिए मेहनत करें। आपके कामों के पीछे प्यार और दूरदृष्टि की भावना होनी चाहिए।

मकर

आज आप किसी मित्र के साथ कहीं घूमने-फिरने का प्लान बना सकते हैं। आपको जीवनसाथी से कोई सुखद समाचार मिल सकता है। काम के साथ चुनौतियां भी हो सकती है।

कुम्भ

आज आपके घर में अच्छा माहौल बना रहेगा प्रोफेशनल मोर्चे पर आपके शत्रु और प्रतिद्वंदी की योजनाएं निष्फल होंगी। भौतिक सुखों की प्राप्ति होगी।

मीन

धार्मिक -आध्यात्मिक रुचि के काम करने के लिए अच्छा दिन है। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। जिनके साथ आप रहते हैं वे आपसे बहुत खुश नहीं होंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

बिग-बी ने हाथ जोड़कर मांगी ट्विटर पर माफी

कौन बनेगा करोड़पति सीजन 14 का बोरिया-बिस्तर बंध गया है। मतलब कि ऑफ एयर हो गया है। इसकी जगह टीवी पर अब मास्टर शेफ शुरू हो गया है। लेकिन फिलहाल मामला कुछ और ही है। केबीसी 14 के खत्म होने के बाद अमिताभ बच्चन एक बार फिर चर्चा में हैं। वजह उनका ट्वीट है। इसके लिए वह सोशल मीडिया पर मांफी भी मांग रहे हैं। अब ऐसा क्या हुआ कि उन्हें ऐसा करने की नौबत आ गई, इसके बारे में आइए बताते हैं। दरअसल, Amitabh Bachchan ने ऊंचाई पर हाल ही में एक ट्वीट किया था। लेकिन उन्हें बाद में एहसास हुआ कि उस ट्वीट का नंबर गलत हो गया है। उन्होंने इसे एक भयानक गलती बताया है। ट्वीट कर लिखा है- T 4515- एक डरावनी गलती। मेरे सभी T नंबर पिछले सही नंबर से गलत हो गए हैं। सही जो है वो है T 4514. इसके बाद सब गलत है। T 5424, 5425, 5426, 4527, 5428, 5429, 5430, सब गलत है। होना जो चाहिए वो है- T4515, 4516, 4517, 4518, 4519 4520, 4521। अमिताभ बच्चन ने इस पोस्ट में हाथ जोड़ने वाले इमोजी के साथ माफी मांगी है। हालांकि ये पहली बार नहीं, जब उनके ट्वीट्स की नंबरिंग में गलती हुई हो। इसके पहले भी उनसे कई बार ऐसा हुआ है और वह उसको पब्लिकली एक्सेप्ट भी करते हैं। इस बार भी जब उन्होंने इस गलती के लिए माफी मांगी तो फैन्स उन पर लट्टू हो गए। लेकिन कुछ ने उनका मजाक उड़ना शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा कि अमिताभ बच्चन नंबर से ऑब्सेस्ड हो गए हैं। एक ने कहा-मैं तो लंबे समय से ट्विटर का इस्तेमाल कर रहा हूं लेकिन आज तक ये नंबर का कॉन्सेप्ट नहीं समझ पाया हूं। एक ने कहा- बिग बी गलत नंबर्स को लेकर इतने परेशान क्यों हो जाते हैं? एक ने कहा- इन्होंने अभी भी अपनी एक बड़ी गलती नहीं मानी जब शाहरुख खान ने कभी खुशी कभी गम में शादी कर ली थी। एक यूजर ने तो अमिताभ बच्चन को नया अकाउंट बनाने की नसीहत दे दी। कहा कि ऐसे नहीं चलेगा। ये T नंबर का लोचा अब हाथ से निकल गया है।

ओटीटी पर आ रहा नया जासूस नाइट मैनेजर

अनिल-आदित्य की सीरीज का मोशन इस साल ओटीटी स्पेस में कई दिलचस्प वेब सीरीज रिलीज होने वाली हैं और बॉलीवुड के लोकप्रिय कलाकार ओटीटी डेब्यू करने वाले हैं। इन्हीं में से एक सीरीज है द नाइट मैनेजर, जिससे आदित्य रॉय कपूर ओटीटी पर अपनी पारी शुरू करने जा रहे हैं। यह सीरीज डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम की जाएगी। फर्स्ट लुक मोशन पोस्टर सोमवार को रिलीज कर दिया गया। द नाइट मैनेजर में आदित्य के साथ अनिल कपूर लीड कास्ट का हिस्सा हैं। दोनों कलाकार इससे पहले मलंग फिल्म में काम कर चुके हैं। मोशन पोस्टर पर अनिल और आदित्य को सूट-बूट पहने हुए कूल लुक में दिखाया गया है। अनिल कपूर के चेहरे पर जहां तनाव दिख रहा है, वहीं आदित्य का चेहरा शांत है। इसके साथ लिखा है- दुनिया के सबसे खतरनाक आर्म्स डीलर को रोकने के लिए सिर्फ एक हथियार है-एक होटल का नाइट मैनेजर। संदीप मोदी निर्देशित सीरीज में शोभिता धुलिपाला, तिलोत्तमा शोम, शाश्वत चटर्जी, रवि बहल, अरिस्ता सिंह मेहता अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। ब्रिटिश टीवी सीरीज का है रीमेक द नाइट मैनेजर इसी नाम से आयी ब्रिटिश वेब सीरीज का हिंदी रूपांतरण है। सूजैन बायर निर्देशित इस स्पाइ थ्रिलर सीरीज में टॉम हिडल्टन, ह्यू लौरी, ओलिविया कोलमैन और एलिजाबे देबिकी ने लीड रोल्स निभाये थे। 6 एपिसोड्स की सीरीज 2016 में बीबीसी वन पर प्रसारित हुई थी। द नाइट मैनेजर अवॉर्ड विनिंग सीरीज है।

विनर केलकर को राखी सावंत ने दी टक्कर

जहां एक तरफ बिग बॉस 16 के फिनाले को चार हफ्ते के लिए आगे बढ़ा दिया गया है। वहीं, बिग बॉस 4 मराठी को अपना विनर भी मिल गया है। अपूर्व नामलेकर ने जहां दूसरी पोजिशन हासिल की। वहीं किरण माने, अमृता धोंगड़े और राखी सावंत को तीसरी नंबर से ही संतोष करना पड़ा। जी, आपकी राखी सावंत टॉप 3 में शुमार हुईं। उन्होंने इस सीजन में बतौर

वाइल्डकार्ड एंट्री की थी। रही बात विनर की तो वह बाजी अक्षय केलकर ने मारी है। विनर को अक्षय केलकर को 15 लाख 55 हजार रुपये बतौर विनिंग अमाउंट मिले हैं। साथ ही एक सोने का ब्रेसलेट मिला है और 5 लाख का अलग से चेक भी दिया गया है। इस शो को एक्टर महेश मांजरेकर होस्ट कर रहे थे। इस शो की शुरुआत 2 अक्टूबर 2022 को हुई थी। वूट और कलर्स मराठी चैनल पर इसका प्रसारण भी हो रहा था। 16 कंटेस्टेंट और 3 वाइल्डकार्ड इस शो का हिस्सा बने थे। इस सीजन की थीम थी- ऑल इज वेल यानी सबकुछ ठीक होगा।

अजब-गजब | हर दिन 265 लीटर है प्रति व्यक्ति पानी की खपत

सऊदी में नहीं है एक भी नदी

गूगल मैप के सैटेलाइन व्यू को देखेंगे तो पूरे नक्शे पर रेगिस्तान ही नजर आता है, यहां कोई नदी नहीं बहती, कोई बड़ा तालाब नहीं, बारिश भी बस साल में एक या दो बार होती है। पानी केकुएं कब के सूख गए। यहां की धरती रेतीली है और चारों ओर मरूस्थल। हजारों सालों से सऊदी के लोग पानी के लिए कुओं पर निर्भर रहे लेकिन बढ़ती आबादी के कारण भूमिगत जल का दोहन बढ़ता गया और इसकी भरपाई प्राकृतिक रूप से हुई नहीं। धीरे-धीरे सारे कुएं सूख गए।

विशेषज्ञों के मुताबिक, यहां हर साल दिसंबर-जनवरी में तूफान के साथ बारिश आती है लेकिन ये एक या दो दिन ही होती है।ये विंटर स्टॉर्म की शक्ल में आती है और इससे ग्राउंड वाटर पर कोई फर्क नहीं पड़ता। यह कोई खुशहाली लेकर नहीं आती बल्कि बर्बादी और तबाही मचाती है। सवाल यह उठता है कि यह देश अपने लोगों के लिए पानी कहां से लाता है। तो चलिए इसके पीछे की हैरान कर देने वाली सच्चाई जान लेते हैं।

सऊदी तेल बेचकर बेशुमार कमाई कर रहा है लेकिन इस कमाई का बड़ा हिस्सा समंदर के खारे पानी को पीने लायक बनाने में लगाना पड़ रहा है। हालांकि यह प्रक्रिया बहुत ही महंगी है। डिसालिनेशन तकनीक से हर दिन 40.36 लाख

क्यूबिक मीटर समंदर के पानी को नमक से अलग कर इस्तेमाल करने लायक बनाता है। इस पर रोजाना 105 लाख रियाल का खर्च आता है। इसके साथ ही ट्रांसपोर्टिंग का खर्च करीब दो रियाल प्रति क्यूबिक मीटर जुड़ जाता है। इसे ऐसे समझें कि हर दिन वह हजारों करोड़ पानी को साफ करने में और उसे लोगों तक पहुंचाने में खर्च कर देता है। 70 फीसदी पेयजल यहीं मिलता है। बता दें सऊदी दो महासागरों से घिरा हुआ है। पश्चिम में लाल सागर है तो पूर्व में बंगाल की खाड़ी। मुल्क में कई अंडरग्राउंड अकवीफर्स बनाए गए हैं। इन्हीं कुओं में पानी का संग्रह करके रखा जाता है। करीब पचास साल पहले सरकार ने इस पर काम शुरू कर दिया था। नतीजा यह हुआ कि देश में हजारों अकवीफर्स बनाए गए। इसका पानी शहरी और खेती दोनों जरूरतों में इस्तेमाल किया जाता है। कई रिसर्च कहती हैं कि अगले कुछ वर्षों में सऊदी अरब का भूमिगत जल पूरी तरह खत्म हो जाएगा पर फिर भी यहां लोग पानी खर्च करने में कोई कंजूसी नहीं करते। यहां प्रति व्यक्ति पानी की खपत दुनिया भर में सबसे ज्यादा है। सऊदी अरब में प्रति व्यक्ति पानी की खपत हर दिन 265 लीटर है जो कि यूरोपीय यूनियन के देशों से दोगुनी है।

बिछड़ा प्यार पाने को बाबा की मजार पर चढ़ाते हैं सिगरेट

हर मजहब में इंसान अपने-अपने भगवान पर भरोसा करते हैं और जब भी कोई समस्या होती है तो देवालयों या फिर आस्था स्थलों पर जाकर पूजा-पाठ करते हैं अगर मुस्लिम धर्म के लोगों की बात करें तो लोगों की आस्था मजारों पर खूब होती है। एक ऐसी ही परंपरा उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में देखने को मिलती है, जहां मजार पर लोग चादर की जगह सिगरेट चढ़ाकर आते हैं। आपने अक्सर लोगों को मजार पर चादर चढ़ाते हुए देखा होगा लेकिन यहां आने वाले लोग हाथ में अगरबत्ती और फूल की चादर की जगह सिगरेट लेकर आते हैं। ये मजार भी कोई ऐसी-वैसी नहीं है बल्कि ये वेल्स बाबा की मजार है। यहां आने वाले लोग सालों से उनके दरबार में सिगरेट चढ़ाते आए हैं। दिलचस्प बात ये है कि सिर्फ लखनऊ नहीं बल्कि दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालु यहां सिगरेट का पैकेट लेकर पहुंचते हैं। इस मजार को वेल्स नाम के एक ईसाई कैप्टन फ्रेड्रिक वेल्स ने शुरू किया था। वो ब्रिटिश सेना में काम करते थे। मजार में वेल्स को सिगरेट वाले बाबा कहकर भी पुकारा जाता है और माना जाता है कि यहां आने से किसी भी व्यक्ति की मुराद पूरी हो जाती है और यहां हिंदू-मुस्लिम दोनों ही समुदाय के लोग आते हैं। कहा जाता है कि कैप्टन वेल्स सिगरेट और शराब के काफी शौकीन थे और यहां आने वाले लोग उन्हें खुश करने के लिए आज भी सिगरेट लेकर आते हैं। मान्यता है कि इससे कब्र में दफन वेल्स बाबा खुश हो जाते हैं। कई सालों से लोग इस परंपरा का पालन कर रहे हैं। इस मजार की खास बात ये भी है कि यहां प्रेमी-प्रेमिकाओं की मुंह मांगी मुराद पूरी होती है। यहां आने वाले ज्यादातर लोग भी प्रेमी जोड़े ही होते हैं। माना जाता है कि इससे उनका टूटा हुआ रिश्ता जुड़ जाता है और वे फिर से एक हो जाते हैं। चूंकि वेल्स बाबा कपल्स की जिंदगी में खुशहाली लाते हैं, ऐसे में वे उनके लिए सिगरेट का पैकेट तो ला ही सकते हैं। हालांकि ये बहुत अजीब है कि किसी मजार पर नशीली वस्तु चढ़े और लोगों की दिली इच्छा पूरी हो जाए।

घने कोहरे की चादर में लिपटा उत्तर भारत

पंजाब के बठिंडा और यूपी के आगरा में दृश्यता रही शून्य, दिल्ली में न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री, 50 उड़ानें हुईं लेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के उत्तरी क्षेत्र में भीषण सर्दी और घने कोहरे की स्थिति बनी हुई है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब, हरियाणा व चंडीगढ़ के ज्यादातर क्षेत्रों में सुबह कहीं घना तो कहीं बहुत ज्यादा घना कोहरा छाया रहा। उत्तर भारत के कई जगहों पर दृश्यता 100 मीटर से कम रही। आईएमडी के अनुसार, जम्मू संभाग के जम्मू, उत्तराखंड के पंतनगर, पंजाब के पटियाला, अमृतसर और लुधियाना, हरियाणा के भिवानी और करनाल, दिल्ली के पालम, राज के गंगानगर, यूपी के बरेली, बहराइच, लखनऊ, गोरखपुर, प्रयागराज और बिहार के गया, भागलपुर और पूर्णिया में सुबह दृश्यता 100 मीटर से कम रही।

बहुत घने कोहरे की चादर पंजाब से बिहार और हरियाणा तक फैली है। दिल्ली और उत्तर प्रदेश में घना कोहरा छाया है। बठिंडा और आगरा में दृश्यता शून्य दर्ज की गई है। जम्मू संभाग, गंगानगर, चंडीगढ़, अंबाला, पटियाला, बरेली, लखनऊ, सुल्तानपुर, गोरखपुर और भागलपुर में 25 दर्ज की गई। हिसार, दिल्ली-पालम, बहराइच, गया, पूर्णिया और कैलाशहर में 50 मीटर दृश्यता रही। आईएमडी के मुताबिक, उत्तरी भारत के कुछ हिस्सों में चल रही शीतलहर के बीच दिल्ली में सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस और पालम में सुबह न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पालम क्षेत्र में दृश्यता 50 मीटर और सफदरजंग 200 मीटर दर्ज की गई। नोएडा में शीतलहर का प्रकोप जारी है। शहर में कोहरा छाया दिखा। ठंड से बचने के लिए लोगों ने अलाव का सहारा लिया।

करीब 50 उड़ानों को दिल्ली में हुई देरी

दिल्ली हवाई अड्डे पर खराब मौसम के कारण करीब 50 डोमेस्टिक फ्लाइट देरी से रवाना हो रही है और 18 डोमेस्टिक फ्लाइट देरी से आ रही है। सूत्रों के अनुसार, सुबह आठ बजे तक किसी फ्लाइट के डायवर्जन की सूचना नहीं थी। उधर, दिल्ली में बीएस 3 पेट्रोल-बीएस 4 डीजल वाहनों पर 12 जनवरी तक रोक लगा दी गई है। दिल्ली लगातार बिगड़ते वायु प्रदूषण की चपेट में है, एक्यूआई 418 के समग्र एक्यूआई के साथ गंभीर श्रेणी में आ गया है। ऐसे में सरकार ने चारपहिया वाहनों के चलने पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया।

यूपी : शीत लहर में मिलेगी राहत पर ठंड रहेगी बरकरार

लखनऊ। बीते साल के अंतिम सप्ताह से शुरू हुई गलन, कोहरा और शीत लहर से जूझ रहे उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए राहत भरी खबर है। मौसम विभाग ने 24 घंटे के भीतर शीत लहर से राहत के आसार जताए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि धीरे-धीरे पारा बढ़ेगा, लेकिन बीच-बीच में ठंड परेशान करती रहेगी। प्रदेश के कई इलाकों में धूप भी निकली, अधिकांश जगह पारा भी बढ़ा। इस बीच कुशीनगर में दिन और रात के तापमान में महज 1.3 डिग्री का अंतर रहा। न्यूनतम तापमान 6 डिग्री और अधिकतम पारा 7.3 डिग्री दर्ज किया गया। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र लखनऊ के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, एक के पीछे एक दो-तीन पश्चिमी विक्षोभ आ रहे हैं, जो मौसम में बदलाव का कारण बनेंगे। मौसम का सामान्य से विचलन कम होना शुरू होगा, जिससे क्रमिक राहत मिलने लगेगी।

घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को लग सकता है महंगाई का करंट

» 18-23 फीसदी तक बढ़ोतरी का प्रस्ताव

» बढ़ोतरी प्रस्ताव असंवैधानिक : उपभोक्ता परिषद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नए साल में उत्तर प्रदेश के निवासियों को महंगी बिजली का झटका लग सकता है। प्रदेश की बिजली कंपनियों ने वर्ष 2023-24 के लिए उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग में दाखिल वार्षिक राजस्व आवश्यकता (एआरआर) के साथ ही बिजली दरों में 15.85 प्रतिशत औसत वृद्धि का प्रस्ताव दिया है। इनमें सर्वाधिक घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं की दरों में 18 से 23 प्रतिशत तक की वृद्धि का प्रस्ताव है।

उद्योगों की 16 प्रतिशत, कृषि की 10 से 12 प्रतिशत व घरेलू लाइफ लाइन उपभोक्ताओं (एक किलोवाट विद्युत लोड और 100 यूनिट प्रति माह बिजली उपभोग वाले उपभोक्ता) की दरों में 17 प्रतिशत वृद्धि का प्रस्ताव आयोग में दाखिल हुआ है। वहीं उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने बिजली कंपनियों के प्रस्ताव का विरोध करते हुए विद्युत नियामक आयोग के चेयरमैन आरपी सिंह तथा सदस्य विनोद कुमार श्रीवास्तव से मुलाकात कर लोक महत्व याचिका दाखिल कर दी है। प्रदेश की बिजली कंपनियों पर प्रदेश के उपभोक्ताओं का कुल 25,133 करोड़ रुपये अधिक निकल रहा है, ऐसे में बिजली दरों में एकमुश्त 35 प्रतिशत या फिर अगले पांच वर्षों तक सात प्रतिशत प्रत्येक वर्ष कमी की जाए। जिस प्रदेश में उपभोक्ताओं की रकम बिजली कंपनियों पर निकल रही है वहां पर भारी बढ़ोतरी का प्रस्ताव देना असंवैधानिक है।

चेन्नई में लगे 'गेट आउट रवि' के पोस्टर

» सीएम स्टालिन और राज्यपाल आरएन रवि के बीच विवाद गहराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा से बीते सोमवार को राज्यपाल आरएन रवि के वॉक आउट के बाद विवाद और गहराता जा रहा है। घटना के अगले ही दिन चेन्नई में 'गेट आउट रवि' के कई पोस्टर लगे दिखाई दिए। ये पोस्टल वल्लुवर कोट्टम और अन्ना सलाई में दिखाई दिए, जिन पर लिखा हुआ था ट्विटर नंबर 1 ट्रेंडिंग।

दरअसल, विधानसभा सत्र के दौरान बीते सोमवार को राज्यपाल आरएन रवि ने अपना अभिभाषण दिया। इसके बाद सीएम एमके स्टालिन ने खेद जताया कि राज्यपाल के अभिभाषण से कुछ अंशों को बाहर कर दिया गया, जिन्हें राज्य सरकार द्वारा जोड़ा गया था। इसके बाद स्टालिन ने एक प्रस्ताव पास कर राज्यपाल द्वारा दिए गए अभिभाषण को छोड़कर राज्य सरकार के मूल भाषण को रिकॉर्ड पर लेने का प्रस्ताव पास किया। प्रस्ताव के पास होते ही राज्यपाल सदन की कार्यवाही को बीच में ही छोड़कर बाहर निकल गए। यह उस समय हुआ जब सीएम स्टालिन कुछ कह रहे थे। हालांकि, राज्यपाल उन्हें अनसुना करते हुए बाहर निकल गए।

मनीष को मिली जमानत पर ऋचा की गिरफ्तारी नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जिला जेल में बंद सपा मीडिया सेल के संचालक मनीष जगन अग्रवाल को सोमवार की शाम जेल प्रशासन ने रिहा कर दिया। रिहाई की सूचना पाकर जेल के बाहर सपा नेता व कार्यकर्ताओं का जमावड़ा लग गया। जेल से निकलते ही पहले से बाहर मौजूद मनीष के साथियों ने उसे गले लगाने के साथ ही कंधे पर उठा लिया। इस दौरान मनीष ने अखिलेश यादव जिंदाबाद के नारे लगाए। पुलिस ने आपत्तिजनक ट्वीट के मामले में रविवार सुबह करीब 10.30 बजे मनीष को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। उनके खिलाफ हजरतगंज थाने में चार मुकदमें दर्ज हैं।

सोमवार को एसीपी मुख्यालय शिवाजी की कोर्ट से मनीष जगन को जमानत मिली। वरिष्ठ जेल अधीक्षक आशीष तिवारी के मुताबिक रिहाई आदेश मिलने पर शाम को रिहा कर दिया गया। मालूम हो कि मनीष की गिरफ्तारी से खफा पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव उससे मिलने रविवार जेल पहुंच गए थे। हालांकि जेल प्रशासन ने सप्ताहिक अवकाश होने की बात कहकर रविवार को सपा प्रमुख की मनीष से मुलाकात कराने से इंकार कर दिया था। साथ ही हाई प्रोफाइल मामला होने के चलते जेल प्रशासन ने मनीष को मुलाहिजा बैरक मे कड़ी निगरानी में रखा था।

ऋचा पर भी दर्ज हुआ था मुकदमा

लखनऊ। भाजपा युवा मोर्चा की सोशल मीडिया इंचार्ज ऋचा राजपूत के खिलाफ समाजवादी पार्टी मीडिया सेल की ओर से एफआईआर दर्ज करा दी गई पर अभी उनकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। गौरतलब ट्विटर पर उन्होंने सपा मुखिया के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की थी। इससे पहले उन्होंने भी सपा के ट्विटर हैंडल पर आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करने को लेकर शिकायत दर्ज कराई है। जिसके बाद उनके खिलाफ सपा की ओर से केस दर्ज कराया गया है। ऋचा राजपूत सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। तमाम भाजपा के शीर्ष नेताओं के साथ उनकी तस्वीर उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर है। वह ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम सहित तमाम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सक्रिय रहती हैं। ऋचा मूल रूप से कानपुर की रहने वाली हैं। वह भाजपा की प्रवक्ता और यूथ विंग की सोशल मीडिया इंचार्ज भी हैं।

एमएलसी चुनाव की जंग में उतारे रणबांकुरे

सपा ने किया उम्मीदवारों का एलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में एमएलसी चुनाव की जंग रोचक होती जा रही है। कल बीजेपी ने अपने उम्मीदवारों के नाम का एलान किया था, इसके बाद सपा ने भी आज अपने प्रत्याशी के नाम का एलान कर दिया है, बरेली-मुरादाबाद स्नातक क्षेत्र के लिए सपा ने शिव प्रताप यादव को अपना उम्मीदवार बनाया है, वे यहां से बीजेपी के प्रत्याशी जयपाल सिंह व्यस्त को चुनौती देंगे।

सपा प्रत्याशी आज अपना नामांकन करेंगे। इसके अलावा कानपुर-उन्नाव स्नातक क्षेत्र से भी सपा ने एमएलसी चुनाव के लिए अपना उम्मीदवार उतार दिया है। यहां सपा ने डॉक्टर कमलेश यादव को अपना उम्मीदवार बनाया है। वे बीजेपी प्रत्याशी वेणु रंजन भदौरिया को चुनौती देंगे, सपा प्रत्याशी 11 जनवरी को नामांकन करेंगे। वे सरसैया घाट पर इकट्ठा होकर नामांकन के लिए जाएंगे।

बता दें कि इन पांच सीटों के लिए पांच जनवरी से नामांकन शुरू हो चुका है। इन सीटों पर 12 जनवरी तक नामांकन होगा. वहीं 30 जनवरी को इन सीटों पर वोटिंग होगी और दो फरवरी को मतगणना होगी। बता दें कि 12 फरवरी को पांच सदस्यों का कार्यकाल पूरा हो रहा है। हालांकि सपा अभी और तीन उम्मीदवारों का एलान कर सकती है।

भाजपा के 23 उम्मीदवारों ने किया नामांकन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि पार्टी ने बरेली मुरादाबाद खंड स्नातक क्षेत्र से जय पाल सिंह व्यस्त, कानपुर उन्नाव स्नातक क्षेत्र से अरुण पाठक, गोरखपुर फैजाबाद स्नातक खंड क्षेत्र से देवेंद्र प्रताप सिंह, कानपुर उन्नाव शिक्षक क्षेत्र से वेणु रंजन भदौरिया और झांसी प्रयाग राज शिक्षक स्नातक क्षेत्र से बाबू लाल तिवारी को विधान परिषद के चुनाव में प्रत्याशी घोषित किया है।

अब तक 23 उम्मीदवारों ने एमएलसी चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किए हैं। इस तरह अब तक यह संख्या 23 तक पहुंच गई है। सोमवार को गोरखपुर-फैजाबाद खंड स्नातक से देवेंद्र प्रताप सिंह और कानपुर खंड शिक्षक से डॉ. दिवाकर मिश्रा ने नामांकन किया। गोरखपुर-फैजाबाद खंड स्नातक से ही निर्दलीय विपिन विहारी शुक्ला, अविनाश प्रताप, सरजू प्रसाद धर दुबे और अखंड प्रताप सिंह ने भी अपने पर्चे दाखिल किए। कानपुर खंड

स्नातक से निर्दलीय नेहा सिंह, प्रवीण कुमार श्रीवास्तव और राजेश कुमार अहिरवार ने नामांकन किया। वहीं, बरेली-मुरादाबाद खंड स्नातक से विश्वनाथ, इलाहाबाद-झांसी खंड शिक्षक क्षेत्र से निर्दलीय डॉ. हरिओम बादल, राम कृष्ण शर्मा, अशोक कुमार राठौर, शमीम बानो और इमरान अहमद ने नामांकन किया। कानपुर खंड शिक्षक क्षेत्र से निर्दलीय विनोद कुमार, भुवनेश भूषण, सपा की प्रियंका यादव ने पर्चा दाखिल किया।

बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर अप्रैल से देना होगा टोल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर अप्रैल से वाहनों को टोल टैक्स देना होगा। कारों पर 610 रुपये और हल्के कॉमर्शियल वाहनों की दरें 965 रुपये प्रस्तावित हैं। बिना ट्रायल शुरू हो रही इस टैक्स वसूली के लिए यूपीडा जल्द टेंडर निकालेगा।

इस एक्सप्रेसवे से बुंदेलखंड क्षेत्र सीधे राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से जुड़ गया है। पहले तय हुआ था कि तीन महीने ट्रायल के लिए टोल टैक्स वसूलने का ठेका दिया जाएगा, लेकिन यूपीडा ने यह फैसला बदल दिया है। अब टोल वसूली के लिए फाइनल टेंडर निकाले जाएंगे। सूत्रों के मुताबिक, अप्रैल से वसूली शुरू करने के लिए यूपीडा 15 जनवरी तक टेंडर नोटिस जारी कर मार्च तक प्रक्रिया पूरी कर लेगा। प्रस्तावित टोल दरों के अनुसार कार, जीप, वैन या हल्के मोटर वाहनों पर 610 रुपये, हल्के व्यावसायिक व हल्के माल यान या मिनी बस पर 965 रुपये, बस या ट्रक पर 1935 रुपये, भारी निर्माण कार्य मशीन व (3-6 एक्सल) वाले वाहनों पर 2965 रुपये और 7 या उससे अधिक पर 3795 रुपये टोल टैक्स लग सकता है।

सिविल कोड पर सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने के लिए दो राज्यों की ओर से बनाई गई कमिटियों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संविधान राज्यों को ऐसी समितियां बनाने का अधिकार देता है।

गुजरात और उत्तराखंड की सरकारों ने अपने-अपने राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए पिछले दिनों कमेटियों का गठन किया था। राज्य सरकारों के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली बेंच ने सोमवार को कहा कि इस मामले में दाखिल याचिका में कोई मेरिट ही नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद-162 के तहत राज्य के पास यह अधिकार होता है कि वह ऐसी कमेटियां बना सके। इसमें कुछ भी असंवैधानिक नहीं है।

=:= कारोबारी मनीष हत्याकांड =:=

बर्खास्त कोतवाल समेत छह पुलिस कर्मियों पर हत्या का आरोप तय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कानपुर के कारोबारी मनीष गुप्ता की सितंबर, 2021 में गोरखपुर के होटल में हुई हत्या के मामले में दिल्ली की सीबीआई की विशेष अदालत ने यूपी पुलिस के बर्खास्त एसएचओ जगत नारायण सिंह समेत छह पूर्व पुलिसवालों के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। जगत नारायण के खिलाफ हत्या का आरोप तय किया गया है। अदालत ने केस रद करने की आरोपितों की मांग ठुकरा दी।

स्पेशल जज विजय कुमार झा ने अक्षय कुमार मिश्रा, विजय यादव, राहुल दुबे और कमलेश सिंह की अर्जी खारिज करते हुए उनके खिलाफ आरोप तय किए। केस के साक्ष्यों पर गौर करते हुए अदालत ने कहा कि इनमें से कोई भी आरोपित इस स्टेज पर केस से बरी किए जाने का अधिकारी नहीं है। हत्या का आरोप सिर्फ जगत नारायण के खिलाफ तय हुआ। अदालत ने अन्य आरोपित पुलिसकर्मियों की भूमिका के हिसाब से उन पर समान मंशा से गंभीर चोटें पहुंचाना, सबूत नष्ट करने के आरोप तय किए। आपराधिक साजिश का आरोप छह के छह आरोपियों के खिलाफ तय हुआ है। सीबीआई की रिपोर्ट में बताया गया है कि पुलिसकर्मियों ने मनीष गुप्ता पर लात से प्रहार किया था। इसके बाद उनका सिर बिस्तर के हेडबोर्ड से टकराया और वह जमीन से गिर पड़े। उनकी नाक से खून बहने लगा। इससे पहले कि उन्हें इलाज के लिए ले जाया जाता, उनकी मौत हो गई।

मनीष गुप्ता। (फाइल फोटो)

पिछले साल दो नवंबर को सीबीआई ने छह पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया था। सभी पर आरोप है कि वे होटल के उस कमरे में जबरन घुस आए थे जहां कारोबारी मनीष गुप्ता अपने दो दोस्तों के साथ ठहरे हुए थे। पुलिसकर्मियों ने तीनों से पहचान पत्र की मांग की जिसको लेकर उनका विवाद हो गया।

पंजाब पहुंची भारत जोड़ो यात्रा स्वर्ण मंदिर में मत्था टेकेंगे राहुल

कड़ाके की ठंड भी नहीं रोक पा रही भीड़ के बढ़ते कदम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। राहुल गांधी की अगुवाई वाली भारत जोड़ो यात्रा ने पंजाब में प्रवेश किया है। कांग्रेस सांसद की सुरक्षा के लिए विशेष दस्ता साथ चल रहा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के तहत पंजाब में पदयात्रा आरंभ करने से पहले मंगलवार को दोपहर में अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर जाएंगे। इस यात्रा का हरियाणा का पड़ाव मंगलवार को पूरा हो गया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया, भारत जोड़ो यात्रा का 116वां दिन हरियाणा के अम्बाला में पूरा हुआ। 7 सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुई यात्रा 30 जनवरी को गांधी द्वारा श्रीनगर में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ समाप्त होगी। यह वर्तमान में हरियाणा से होकर गुजर रही है।

पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वारिंग के अनुसार राहुल गांधी के नेतृत्व वाली भारत जोड़ो यात्रा आज शंभू सीमा के माध्यम से पंजाब में प्रवेश करेगी और फतेहगढ़ साहिब के लिए आगे बढ़ेगी। बुधवार, 11 जनवरी को गुरुद्वारा साहिब में मत्था टेकने के बाद, कांग्रेस सांसद अपने पैदल मार्च के पंजाब चरण की शुरुआत करने से पहले एक जनसभा को संबोधित करेंगे। अमरिंदर सिंह ने कहा कि अमृतसर में पवित्र स्वर्ण मंदिर में मत्था टेकने के बाद यात्रा आरंभ करने से बेहतर कुछ नहीं हो सकता।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।